भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1582 #

गुरूवार, 12 फरवरी, 2026/23 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

शालिवाहन कालीन सांस्कृतिक पर्यटन गलियारे का विकास

1582 # डा. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में नांदेड़, अजंता-एलोरा, घृष्णेश्वर, परली वैजनाथ, ओंधा नागनाथ, पैठण, लोनार सरोवर तथा गोदावरी-मांजरा-हरिद्रा संगम जैसे ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ते हुए शालिवाहन कालीन सांस्कृतिक पर्यटन गलियारे के विकास हेतु समग्र एवं समयबद्ध कार्य योजना तैयार कर रही है;

(ख) क्या इस पहल के अंतर्गत सड़क, रेल, आवास, डिजिटल गाइड, स्थानीय हस्तशिल्प प्रोत्साहन एवं रोजगार सृजन जैसे घटकों को शामिल किया गया है; और

(ग) क्या सरकार महाराष्ट्र, कर्णाटक एवं तेलंगाना के समन्वय से संयुक्त समिति गठित कर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रचार तथा विशेष वित्तीय पैकेज लागू करने पर विचार कर रही है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): शालिवाहन काल के सांस्कृतिक पर्यटन गलियारे के विकास हेतु कार्य योजना तैयार करने और एक संयुक्त समिति गठित करने का कोई प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय के समक्ष नहीं है। यद्यपि, गंतव्य नियोजन सहित पर्यटन स्थलों का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है, तथापि पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं/पहलों जैसे 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित विकास गंतव्य (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को संबंधित योजना दिशानिर्देशों और सरकारी निर्देशों के अनुरूप, उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति और निधियों की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन पर्यटन अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने 'राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक अपनी योजना के तहत भी देश में

प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों के व्यापक विकास तथा वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग और विपणन के प्राथमिक उद्देश्य से देश में परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

मंत्रालय नियमित रूप से विभिन्न संबंधित मंत्रालयों और राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के साथ समन्वय करता है ताकि संपर्कता, डिजिटलीकरण, स्थिरता, रोजगार सृजन आदि सहित पर्यटन विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार किया जा सके। इसके अलावा, मंत्रालय अपने सतत संवर्धनात्मक कार्यकलापों के तहत हस्तशिल्प सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का संवर्धन करता है। इस प्रकार के संवर्धन संबंधी कार्य को प्रचार संबंधी वेबसाइटों, सोशल मीडिया, कार्यक्रमों आदि के माध्यम से किया जाता है।

*****